हिन्दुस्तान
1936 सत्य • सार्थक • सदैव
भरोसा नए हिन्दुस्तान का
गुरुवार
10 अक्तूबर 2024, देहरादून
• पांच प्रदेश • 24 संस्करण

सेलाकुई में खुला ड्रोन पायलट प्रशिक्षण केंद्र

- संसाधन प्रबंधन डीजीएम ने किया उद्घाटन
- कहा, कई कार्यों में ड्रोन अहम भूमिका निभाएगा

सेलाकुई, संवाददाता। भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान के अनुसंधान फार्म सेलाकुई में ड्रोन पायलट प्रशिक्षण केंद्र और सूचना एवं बिक्री काउंटर खोला गया है। उद्घाटन प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद) के उप महानिदेशक डॉ. सुरेश कुमार ने किया।

उन्होंने कहा कि कृषि में परिवर्तन लाने, रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने में ड्रोन महत्वपूर्व भूमिका निभाएगा। ड्रोन के उपयोग से ऊबड़-खाबड़ इलाके, जनशक्ति की कमी और संसाधनों के प्रभावी उपयोग की समस्याओं का समाधान हो सकता है। निदेशक, आईसीएआर-सी आईटीएच, श्रीनगर डॉ. महेंद्र कुमार वर्मा ने कहा कि ड्रोन हिमालयी राज्यों के लोगों की जरूरतों को पूरा करेगा। डॉ. लक्ष्मी कांत, ने पहाड़ी कृषि पर अपने संस्थान के अनुभव को साझा किया। संस्थान निदेशक डॉ. एम मधु ने केंद्र के बारे में जानकारी दी। इस दौरान सीईओ डोनियर एविएशन आरएस सिंह ने ड्रोन पायलट प्रशिक्षण के महत्व को बताया। इस दौरान डॉ. पीआर ओजस्वी, डॉ. एम शंकर, दीपा तोमर आदि मौजूद रहे।